मेहबूब प्रेम अपना दिये जा रहे हैं

1--सदमे उठाए पिया जी हमारे
बार बार आए खातिर हमारे

2--अरश खजाना पिया जी ल्याए
घर की बातें हमें समझाए

3--सागर को गागर मे भर कर लाए
भर भर प्याले सुंदरसाथ को पिलाए

Nijanand App